राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(Government Maharaj Acharya Sanskrit College, Jaipur)

गांधी नगर, जयपुर - 302 015

दूरभाष 0141 - 2706608, Email : maharaj.college@gmail.com

पत्रांक – रा.म. आ. स. महा./2023–2024/

दिनांक :– 20.08.2022

IQAC कार्यकारिणी उपवेशन

आज दिनांक 20 अगस्त 2022 को दोपहर 12:00 बजे श्रीमान् प्राचार्य जी के अध्यक्षता में IQAC कक्ष में आइ.क्यू.ए.सी. का उपवेशन रखा गया। जिसमें सर्वप्रथम विगत उपवेशन में विचारित एवं क्रियान्वित बिंदुओं पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श किया गया।

तदुपरान्त प्रो. शालिनी सक्सेना, समन्वयक IQAC ने आज के उपवेशन के एजेंडा को प्रस्तुत किया।

1. नवनिर्मित सेमिनार हॉल एवं यज्ञशाला का उद्घाटन एवं लोकार्पण।

2.पर्यावरण संरक्षणार्थ यज्ञशाला में नियमित रूप से यज्ञ संपादन।

3. संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं का आयोजन।

जिसमें सर्वप्रथम प्रथम बिन्दु पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए तो प्रो. शालिनी सक्सेना ने कहा कि महाविद्यालय में रूसा के माध्यम से सेमिनार हॉल का निर्माण सम्पूर्ण हो गया है। अतः इस नवनिर्मित सेमिनार हॉल का शीघ्र ही उद्घाटन एवं लोकार्पण की रूपरेखा तैयार किया जाना आवश्यक है, जिससे इसमें महाविद्यालय की गतिविधियों को सुव्यवस्थित रूप से सम्पादित किया जा सके। इस सन्दर्भ में प्राचार्य प्रो. भास्कर शर्मा ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि माननीय मंत्री जी की समय उपलब्धता एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों की अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए शीघ्र ही इन दोनों कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जावे।

उपवेशन के द्वितीय बिन्दु पर विचार विमर्श करते हुए वेद एवं ज्योतिष के छात्रों को यज्ञ एवं हवन इत्यादि की प्रायोगिक रूप से जानकारी प्रदान करने, अक्षुण्ण हमारी भारतीय संस्कृति से सभी छात्रों को परिचित करवाने, आध्यात्मिकता से विद्यार्थियों को जोड़े रखने तथा महाविद्यालयीय वातावरण को स्वच्छ एवं सुगंधित बनाए रखने के उद्देश्य से महाविद्यालय परिसर में एक यज्ञशाला का निर्माण सम्पूर्ण हो गया है। अतः नियमित रूप से महाविद्यालय में यज्ञ एवं हवन का सुचारू रूप से सुव्यवस्थित संचालन के क्रियान्वयन हेतु कार्य योजना बनाया जाना आवश्यक है। इस सन्दर्भ में डॉ. सीमा जैन, सहायक आचार्य अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि इसके लिए अलग से एक समिति का गठन किया जाना चाहिए, जो इस कार्य को नियमित रूप से संपादित कर सके।

जिस पर सभी उपस्थित सम्माननीय सदस्यों ने अपनी सहमति प्रदान की।

तदुपरान्त तृतीय बिन्दु पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श करते हुए NAAC के द्वितीय चक्र को ध्यान में रखते हुए तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण को अद्यतन करने की उद्देश्य से सभी विभागों के विभागाध्यक्षों को स्व-स्व विषयक संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं के आयोजन हेतु कार्य योजना बनाकर IQAC में प्रस्तुत किए जाने हेतु सूचित करना। साथ ही अनुसन्धान विषयक एक संगोष्ठी का आयोजन किये जाने की रूपरेखा तैयार की जावे, जो सभी के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध हो सके। इस विषय पर प्रो. शालिनी सक्सेना, समन्वयक IQAC ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा

कि डॉ. सीमा जैन, सहायक आचार्य के संयोजकत्व में अनुसन्धानपरक इस संगोष्ठी का आयोजन किया जावे। इस विन्दु पर भी उपस्थित सभी सम्माननीय सदस्यों ने एकमत से अपनी स्वीकृति प्रदान की।

इसके साथ ही IQAC समन्वयक, प्रो. शालिनी सक्सेना ने अध्यक्ष महोदय एवं उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए उपवेशन समाप्ति की घोषणा की।

20/8/22

प्रो. भास्कर शर्मा

अध्यक्ष (प्राचार्य)

रा. म. आ. संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

20/8/22

प्रो. शालिनी सक्सेना

IQAC, समन्वयक

रा. म. आ. संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

IQAC समिति सदस्य

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(Government Maharaj Acharya Sanskrit College, Jaipur)

गांधी नगर, जयपुर - 302 015

दूरभाष 0141 - 2706608, Email : maharaj.college@gmail.com

पत्रांक – रा.म. आ. स. महा. / 2023–2024 /

दिनांक :– 19.12.2023

IQAC कार्यकारिणी उपवेशन

आज दिनांक 19 दिसम्बर 2022 को दोपहर 12:00 बजे श्रीमान् प्राचार्य महोदय की अध्यक्षता में IQAC कक्ष में आइ.क्यू.ए.सी. का उपवेशन रखा गया। जिसमें सर्वप्रथम विगत उपवेशन में विचारित एवं क्रियान्वित विंदुओं पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श किया गया।

तदुपरान्त प्रो. शालिनी सक्सेना, समन्वयक IQAC ने आज के उपवेशन के एजेंडा को प्रस्तुत किया।

1 संगोष्ठी विषयक कार्य-योजना का प्रस्तुतीकरण।

2 रोजगारोन्मुखी विशेष कार्यक्रमों का आयोजन।

सर्वप्रथम प्रथम बिन्दु पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए प्रो. शालिनी सक्सेना, समन्वयक IQAC ने बताया कि इस संगोष्ठी में आमन्त्रित किए जाने वाले मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों से चर्चा करने के उपरान्त दिनांक 16-17 जनवरी 2023 कोई इस संगोष्ठी का आयोजन किया जाना सुनिश्चित हुआ है। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. रामसेवक दुबे, कुलपति, जगद्गुरू रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. विनोद शास्त्री, पूर्वकुलपति जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर एवं महन्त श्रीअवधेशाचार्य जी महाराज गलता पीठाधीश्वर जयपुर ने अपनी स्वीकृति प्रदान की है।

इस संगोष्ठी के सफल संपादनार्थ डॉ. सीमा जैन सहायक आचार्य को सयोजक एवं डॉ. महेश कुमार शर्मा को सह-संयोजक नियुक्त किये जाने पर सभी सम्मानीय सदस्यों ने अपनी सहमति प्रदान की।

उपवेशन के द्वितीय बिन्दु पर विचार विमर्श करते हुए विद्यार्थियों को यथासमय रोजगार के सुलभ अवसर प्राप्त हो सके, इसके लिए उनको रोजगारोन्मुखी जानकारी प्रदान करने हेतु महाविद्यालय में समय-समय पर रोजगारोन्मुखी विशेष कार्यक्रमों के आयोजन की रूपरेखा तैयार किया जाना आवश्यक है। इस विषय पर प्रकाश डालते हुए IQAC सदस्य डॉ महेश कुमार शर्मा ने कहा कि महाविद्यालय में संचालित केरियर काउंसलिंग सेल नियमित रूप से इस तरह के विशेष कार्यक्रमों को आयोजन करती आई है। अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इससे जोड़े रखने के लिए कुछ रोजगारोन्मुखी कार्यशालाओं की रूपरेखा तैयार की जानी चाहिए। इस पर सभी सदस्यों ने एकमत से अपनी सहमति प्रदान की है।

इसके साथ ही IQAC समन्वयक, प्रो. शालिनी सक्सेना ने अध्यक्ष महोदय एवं उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए उपवेशन समाप्ति की घोषणा की।

19/XII/23

प्रो. भास्कर शर्मा

अध्यक्ष (प्राचार्य)

रा. म. आ. संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

19.12.22

प्रो. शालिनी सक्सेना

IQAC, समन्वयक

रा. म. आ. संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

IQAC समिति सदस्य

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(Government Maharaj Acharya Sanskrit College, Jaipur)

गांधी नगर, जयपुर - 302 015

दूरभाष 0141 – 2706608, Email : maharaj.college@gmail.com

पत्रांक – रा.म. आ. स. महा./2023–2024/ दिनांक :– 20.08.2022

IQAC कार्यकारिणी उपवेशन

आज दिनांक 20 अगस्त 2022 को दोपहर 12:00 बजे श्रीमान् प्राचार्य जी के अध्यक्षता में IQAC कक्ष में आइ.क्यू.ए.सी. का उपवेशन रखा गया। जिसमें सर्वप्रथम विगत उपवेशन में विचारित एवं क्रियान्वित बिंदुओं पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श किया गया।

तदुपरान्त प्रो. शालिनी सक्सेना, समन्वयक IQAC ने आज के उपवेशन के एजेंडा को प्रस्तुत किया।

1. नवनिर्मित सेमिनार हॉल एवं यज्ञशाला का उद्घाटन एवं लोकार्पण।

2.पर्यावरण संरक्षणार्थ यज्ञशाला में नियमित रूप से यज्ञ संपादन।

3. संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं का आयोजन।

जिसमें सर्वप्रथम प्रथम बिन्दु पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए तो प्रो. शालिनी सक्सेना ने कहा कि महाविद्यालय में रूसा के माध्यम से सेमिनार हॉल का निर्माण सम्पूर्ण हो गया है। अतः इस नवनिर्मित सेमिनार हॉल का शीघ्र ही उद्घाटन एवं लोकार्पण की रूपरेखा तैयार किया जाना आवश्यक है, जिससे इसमें महाविद्यालय की गतिविधियों को सुव्यवस्थित रूप से सम्पादित किया जा सके। इस सन्दर्भ में प्राचार्य प्रो. भास्कर शर्मा ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि माननीय मंत्री जी की समय उपलब्धता एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों की अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए शीघ्र ही इन दोनों कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जावे।

उपवेशन के द्वितीय बिन्दु पर विचार विमर्श करते हुए वेद एवं ज्योतिष के छात्रों को यज्ञ एवं हवन इत्यादि की प्रायोगिक रूप से जानकारी प्रदान करने, अक्षुण्ण हमारी भारतीय संस्कृति से सभी छात्रों को परिचित करवाने, आध्यात्मिकता से विद्यार्थियों को जोड़े रखने तथा महाविद्यालयीय वातावरण को स्वच्छ एवं सुगंधित बनाए रखने के उद्देश्य से महाविद्यालय परिसर में एक यज्ञशाला का निर्माण सम्पूर्ण हो गया है। अतः नियमित रूप से महाविद्यालय में यज्ञ एवं हवन का सुचारू रूप से सुव्यवस्थित संचालन के क्रियान्वयन हेतु कार्य योजना बनाया जाना आवश्यक है। इस सन्दर्भ में डॉ. सीमा जैन, सहायक आचार्य अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि इसके लिए अलग से एक समिति का गठन किया जाना चाहिए, जो इस कार्य को नियमित रूप से संपादित कर सके।

जिस पर सभी उपस्थित सम्माननीय सदस्यों ने अपनी सहमति प्रदान की।

तदुपरान्त तृतीय बिन्दु पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श करते हुए NAAC के द्वितीय चक्र को ध्यान में रखते हुए तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण को अद्यतन करने की उद्देश्य से सभी विभागों के विभागाध्यक्षों को स्व-स्व विषयक संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं के आयोजन हेतु कार्य योजना बनाकर IQAC में प्रस्तुत किए जाने हेतु सूचित करना। साथ ही अनुसन्धान विषयक एक संगोष्ठी का आयोजन किये जाने की रूपरेखा तैयार की जावे, जो सभी के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध हो सके। इस विषय पर प्रो. शालिनी सक्सेना, समन्वयक IQAC ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा

स्वतंत्रता सेनानियों को केन्द्र बिंदु में रखकर कार्यक्रम आयोजित करवाए जाने चाहिए, जिससे विद्यार्थियों को उनके जीवन एवं उनके द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को अवगत करवाया जा सके। साथ ही भारतीय संस्कृति को विश्व पटल पर प्रसारित करने के उद्देश्य से साहित्य एवं सांस्कृतिक प्रकल्पों का आयोजन किया जाना आवश्यक होगा। डॉ. अग्रवाल के विचारों पर उपस्थित सभी सदस्यों ने एकमत से अपनी सहमति प्रदान की।

इसके साथ ही IQAC समन्वयक, प्रो. शालिनी सक्सेना ने अध्यक्ष महोदय एवं उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए उपवेशन समाप्ति की घोषणा की।

10/03/23

प्रो. भास्कर शर्मा
अध्यक्ष (प्राचार्य)
रा. म. आ. संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

10/03/23

प्रो. शालिनी सक्सेना
IQAC, समन्वयक
रा. म. आ. संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

IQAC समिति सदस्य